NBT
नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली › शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 › कार्तिक 6, शक संवत 1945

स्कूलों से लेकर यूनिवर्सिटियों तक में बन रहे कौशल सेंटर

पढ़ाई के साथ वोकेशनल ट्रेनिंग पर सरकार का ज़ोर

Bhupender.Sharma
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत अभी तक 1480 स्किल हब बनाए जा चुके है। 34 राज्यों के शिक्षा संस्थानो मे ये स्किल हब यानी 'कौशल सेंटर' काम कर रहे है और यहां पर स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जा रही है। अब स्कूलो से लेकर यूनिवर्सिटियो मे उद्योगो की मांग के मुताबिक छात्रो और युवाओ को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसका मकसद है कि कोर्स पूरा करने के बाद युवाओ को आसानी से रोजगार मिल सके। राष्ट्रीय स्तर के संस्थानो के अलावा सीबीएसई स्कूलों, यूनिवर्सिटी, केंद्रीय विद्यालयों, स्किल यूनिवर्सिटी, केंद्रीय यूनिवर्सिटियों, पॉलिटेक्नीक, जवाहर नवोदय विद्यालयों, जन शिक्षा संस्थान, आईटीआई मे छात्रों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

इन सेंटरों मे 1.82 लाख से ज्यादा छात्र और युवाओं का नामांकन हुआ है। जिनमें 80 हजार को ट्रेनिंग भी मिल चुकी है। अब ज्यादा से ज्यादा संस्थानों मे कौशल हब बनाने की योजना है। यूजीसी ने भी सभी यूनिवर्सिटियों को इस बारे में लिखा है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 ऑन-जॉब प्रशिक्षण, उद्योग साझेदारी और उद्योग की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रमों को तैयार करने पर जोर दे रही है। यह योजना कोडिंग, एआई, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, आईओटी, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और सॉफ्ट स्किल जैसे नए युग के पाठ्यक्रमो को भी कवर कर रही है। यूजीसी ने यूनिवर्सिटीज से कहा है कि ऑन द जॉब ट्रेनिंग पर भी फोकस किया जाए।

यूनिवर्सिटी से जुड़े तमाम कॉलेजो मे भी स्किल हब बनाए जा रहे है।

सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के संस्थान शामिल हैं इस योजना में

खास बात यह है कि इस योजना में सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थानो को भी शामिल किया गया है। सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटियों के अलावा इसमें सीबीएसई स्कूलों की भी अहम भूमिका है। स्कूलो मे सीनियर सेकेंडरी क्लासेज में वोकेशनल कोर्सेज का विकल्प दिया जाता है और कौशल हब सेंटर मे छात्रो को वोकेशनल कोर्सेज पढ़ाए जाते है और ट्रेनिंग भी होती है। एआईसीटीई से जुड़े संस्थान भी इस योजना का हिस्सा है। यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजो मे भी स्किल हब बनाए जा रहे है। प्राइवेट स्कूल भी इस योजना को लेकर उत्साहित है। एम. एम. पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रूमा पाठक का कहना है कि यह योजना छात्रो के लिए बहुत फायदेमंद है। स्कूलो मे स्किल हब बनने से वोकेशनल कोर्सेज की मांग बढ़ती है। अब ज्यादा से ज्यादा संस्थानों को इस योजना के दायरे में लाया जा रहा है।

एआईसीटीई से जुड़े संस्थान भी इस योजना का हिस्सा